

|                 |             |              |                                   |
|-----------------|-------------|--------------|-----------------------------------|
| Published Date: | 13 Jun 2026 | Publication: | Khabrein Aaj Tak (Hindi) [Mumbai] |
| Journalist:     | Bureau      | Page No:     | 10                                |
| Circulation:    | 75,000      |              |                                   |

# 13 साल में खराब प्रदर्शन की तरफ बढ़ रहा सोना

## एक हफ्ते में इसमें 3.2 प्रतिशत गिरावट आई है

नई दिल्ली, एजेंसी। पश्चिम एशिया में शांति की उम्मीद में आज कच्चे तेल की कीमत में गिरावट आई है और यह दो महीने के लो पर चला गया। इस कारण आज भारतीय बाजार में सोने और चांदी की कीमत में तेजी आई है। लेकिन इंटरनेशनल मार्केट में सोने और चांदी की कीमत में गिरावट जारी है। स्पाट गोल्ड 0.5 प्रतिशत गिरावट के साथ 4,191.17 प्रति औंस पर आ गया। एक हफ्ते में इसमें 3.2 प्रतिशत गिरावट आई है। इस साल सोना अपने पीक से 25 फीसदी गिर चुका है और 13 साल में अपने सबसे खराब प्रदर्शन की तरफ बढ़ रहा है।

सोने को लंबे समय से अनिश्चितता के समय में सेफ-हेवन एसेट माना जाता था लेकिन इस बार धारणा धराशायी हो गई। सोने की कीमत इस साल की शुरुआत में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर 5,586 के पीक पर पहुंच गई थी। लेकिन ईरान युद्ध के बीच इसमें 25 प्रतिशत से ज्यादा गिरावट आई है। अगर सोने में इसी तरह गिरावट जारी रहती है, तो यह 2013 के बाद से सोने का सबसे खराब सालाना परफॉर्मेंस होगा। 13 साल पहले सोने की कीमत में 28 प्रतिशत की गिरावट आई थी।

ईरान युद्ध के कारण कच्चे तेल की कीमत में काफी तेजी आई और ब्रेट ब्रूड 114 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गया था। हालांकि हाल के दिनों में इसमें गिरावट आई है और काफी दिनों से यह 100

डॉलर से नीचे बना हुआ है। तेल की कीमत बढ़ने से महंगाई बढ़ती है क्योंकि तेल ट्रांसपोर्टेशन, आगे है। अब दूसरे देशों के सेंट्रल बैंकों के भी इसी रास्ते पर चलने की उम्मीद है। पॉलिसी रेट्स बढ़ने



मैनुफैक्चरिंग, पावर जनरेशन और लॉजिस्टिक्स के लिए एक जरूरी इनपुट है। इसका बोझ आखिरकार ज्यादा कीमतों के जरिए कंज्यूमर्स पर पड़ता है।

बढ़ती महंगाई पर काबू पाने के लिए केंद्रीय बैंक व्याज दरों में बढ़ोतरी कर सकते हैं। यूरोपीय सेंट्रल बैंक ने व्याज दरों में बढ़ोतरी की है। 21 देशों के इस ग्रुप में महंगाई पिछले 3 फीसदी से ऊपर चली गई जो 2 फीसदी के टारगेट से काफी

से बॉन्ड जैसे इंटररेस्ट-बेयरिंग एसेट्स की अपील बढ़ जाती है। साथ ही गोल्ड रखने की अपॉर्च्युनिटी कास्ट बढ़ती है।

**प्रॉफिट बुकिंग:** पिछले साल सोने की कीमत में 66 प्रतिशत तेजी आई थी। इस साल निवेशकों ने इस पर प्रॉफिट बुकिंग की ने भी गिरावट में योगदान दिया है। टाटा म्यूचुअल फंड को उम्मीद है कि मिले-जुले मैक्रोइकॉनॉमिक संकेतों के बीच सोने की कीमतें जल्द ही एक रेंज में रहेंगी।